कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

परमात्मा के लिए भक्ति पथ (इतिहास)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

विषय:

- परिचय
- एक सर्वोच्च भगवान का विचार
- दक्षिण भारत में भक्ति का एक नया प्रकर - नयनार एवं आलवार
- दर्शन और भक्ति
- बसवन्ना का वीरशैववाद
- महाराष्ट्र के संत

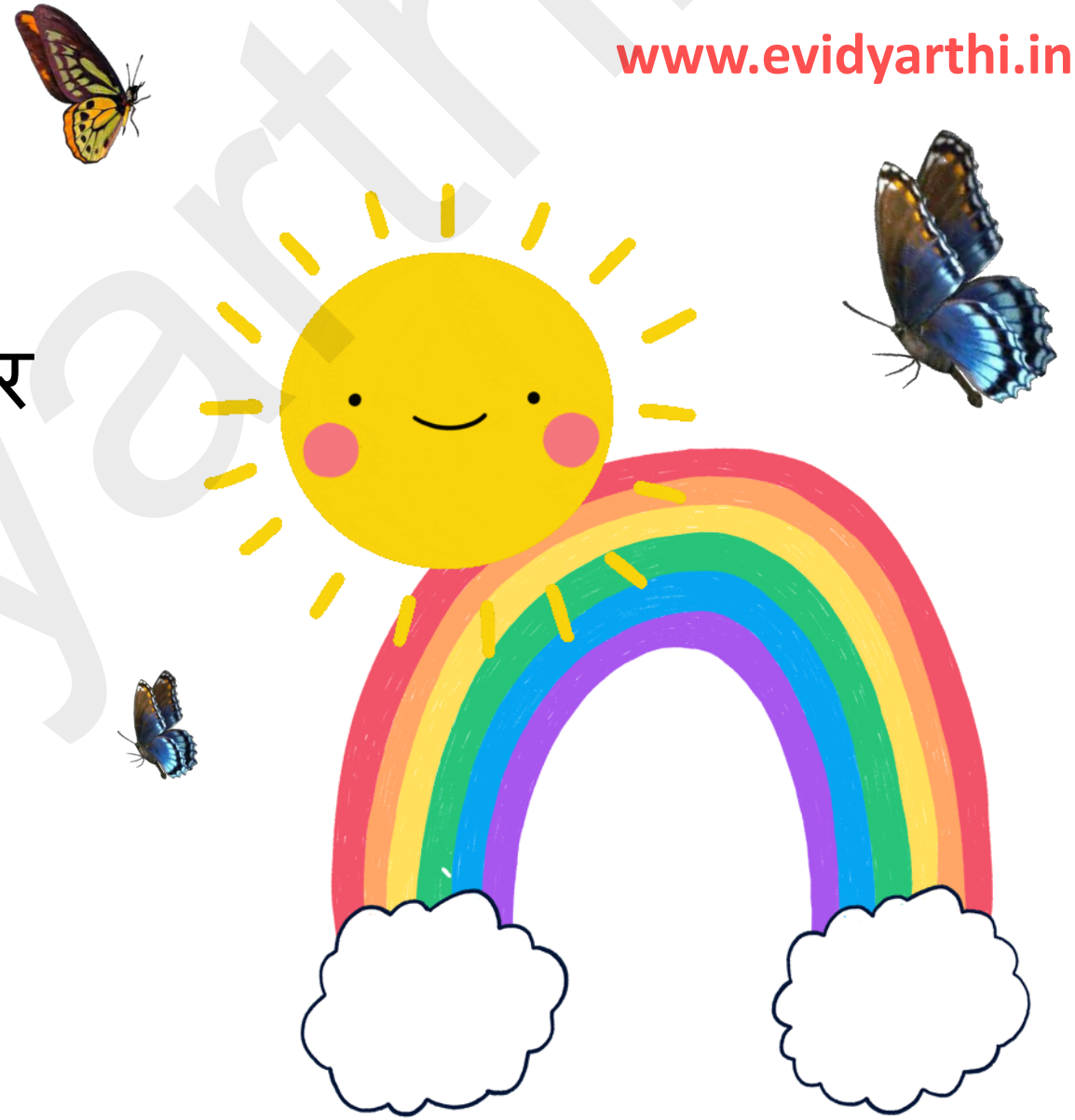

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- नाथपंथी, सिद्ध और योगी
- इस्लाम और सूफी मत
- उत्तर भारत धार्मिक बदलाव
- कबीर - नज़दीक से एक नज़र
- बाबा गुरु नानक - नज़दीक से एक नज़र

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

परिचय

आपने लोगों को पूजा की रस्में करते हुए, या भजन, कीर्तन या कव्वाली गाते हुए, या मौन में भगवान का नाम दोहराते हुए देखा होगा, और देखा होगा कि उनमें से कुछ की आंखों में आंसू आ गए हैं। ईश्वर की ऐसी गहन भक्ति या प्रेम विभिन्न प्रकार के भक्ति और सूफी आंदोलनों की विरासत है जो आठवीं शताब्दी से विकसित हुए हैं।

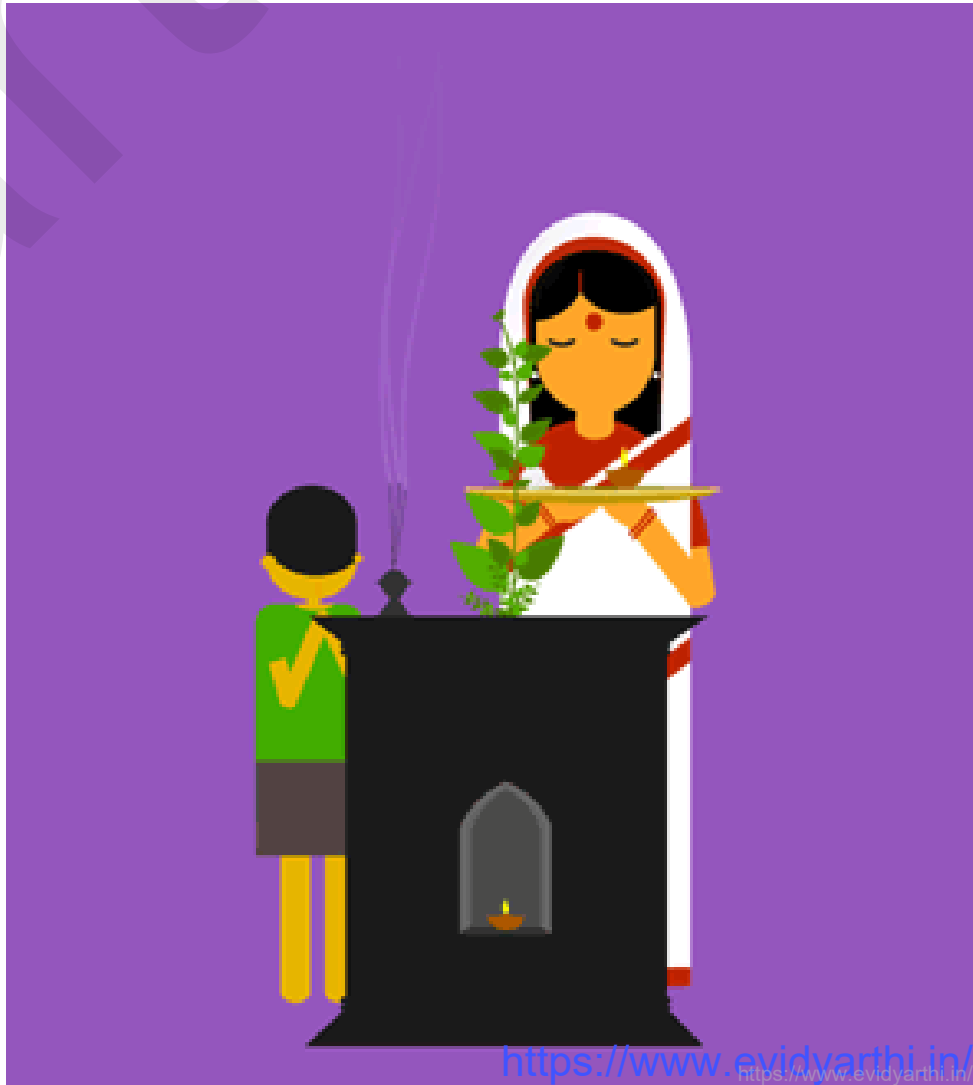

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

देवताओं के नाम जप

अपने भगवान की भक्ति में

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

ईश्वर के
नाम में
लीन,
वास्तविकता
का कोई
बोध नहीं

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

कव्वाली

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

एक सर्वोच्च भगवान का विचार

- लोगों ने पहले अपने देवी-देवताओं की पूजा की, बड़े राज्यों, लोगों, व्यापार, साम्राज्य, विचारों के विकास में वृद्धि हुई।
- अच्छे और बुरे कर्म करने वाले जन्म और पुनर्जन्म के चक्र को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाने लगा, सभी व्यक्ति समान नहीं थे।
- कुलीन परिवार या उच्च जाति में जन्म कई विद्वान ग्रंथों का विषय था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

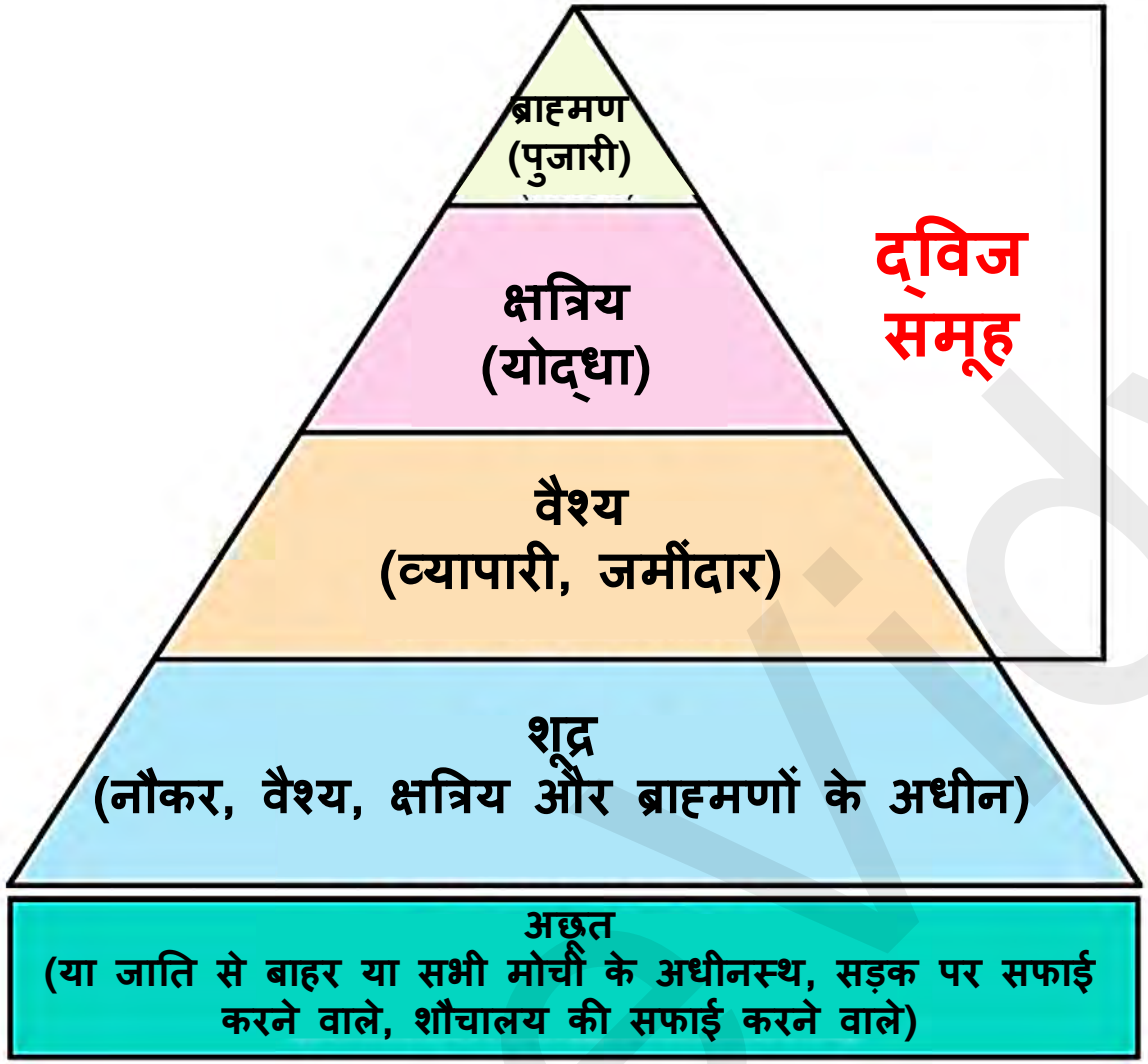

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- बहुत से लोग सामाजिक अंतर के विचार से असहज थे। बहुतों ने बुद्ध और जैनों की शिक्षा की ओर रुख किया।
- कई लोगों ने भगवद-गीता में समर्थित एक सर्वोच्च ईश्वर के विचार के प्रति आकर्षण महसूस किया जो सदियों से लोकप्रिय हुआ।

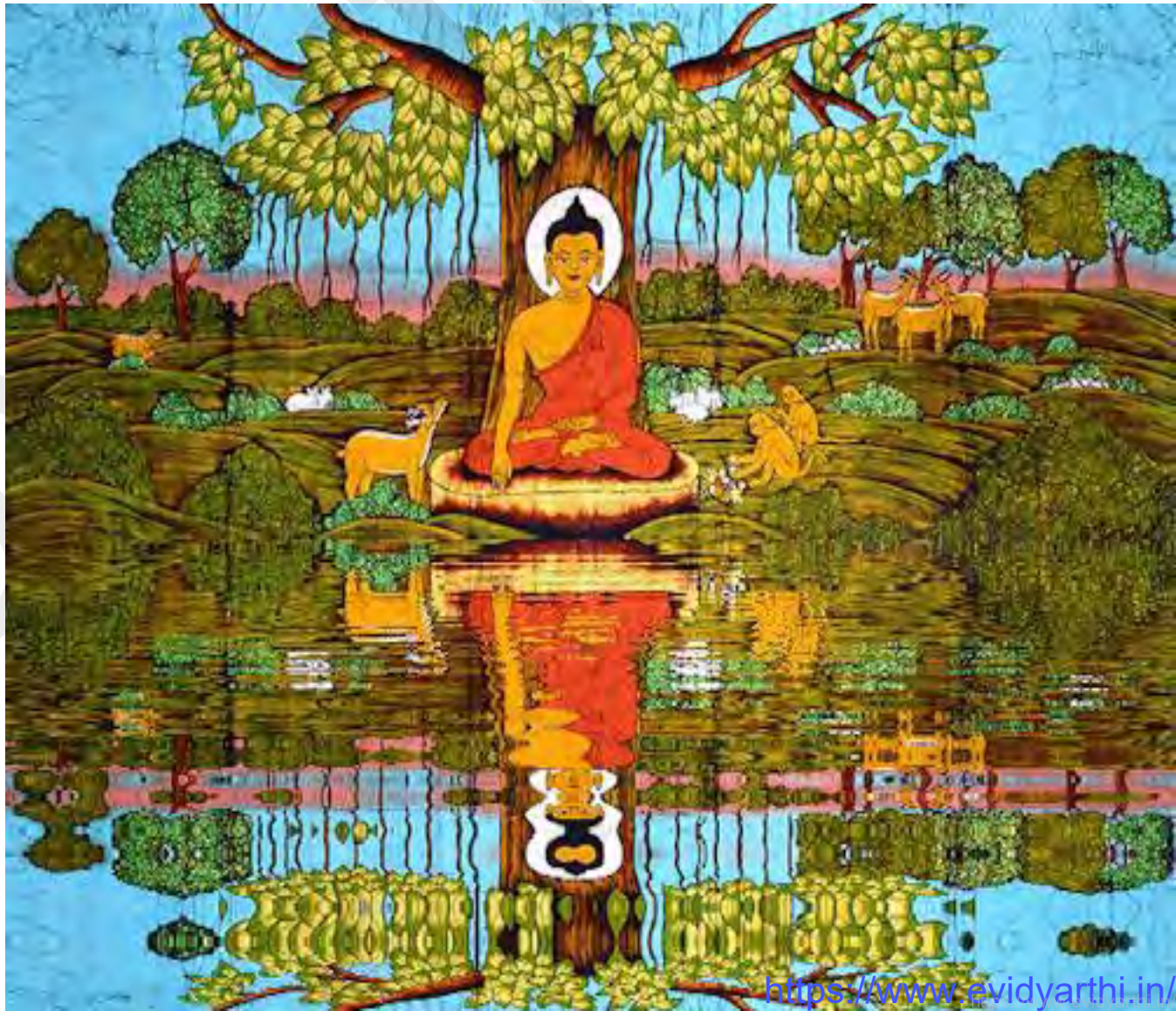

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

एक ईश्वर की घोषणा

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- शिव, विष्णु और दुर्गा विस्तृत अनुष्ठानों के माध्यम से सर्वोच्च देवता के रूप में आए और शिव, दुर्गा और विष्णु के साथ कई देवी की पहचान हुई।
- स्थानीय मिथक और किंवदंतियाँ पौराणिक कथाओं का हिस्सा बन गईं, भक्ति का विचार इतना लोकप्रिय हो गया कि बौद्ध और जैनियों ने उन्हें अपनाया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

शिव

दुर्गा

विष्णु

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

दक्षिण भारत में भक्ति का एक नया प्रकर - नयनार एवं आलवार

- 7वीं से 9वीं शत. अलवर (विष्णु को समर्पित संत) और नयनार (शिव को समर्पित संत) के नेतृत्व में नए धार्मिक आंदोलनों का उदय देखा गया, यहां तक कि अछूत यानी पुलैयार, पनार भी सभी जातियों से आए।

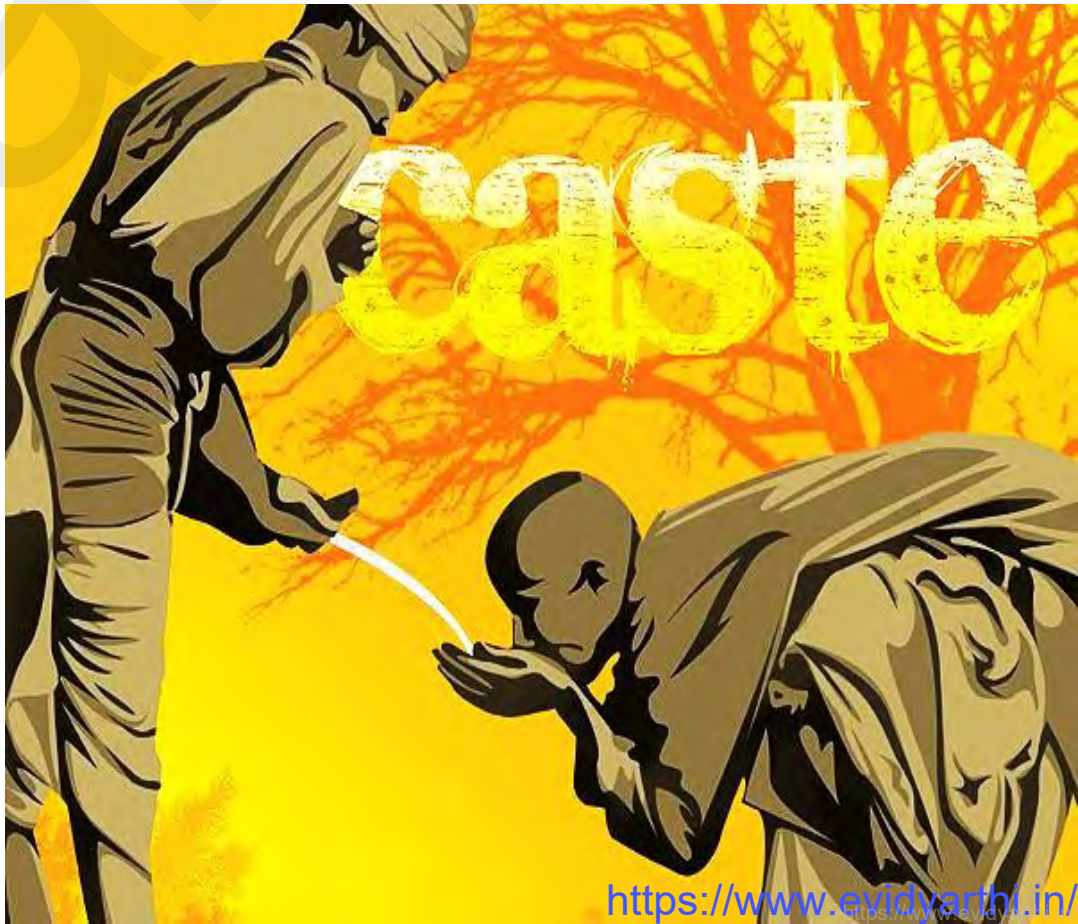

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

अलवर (विष्णु को समर्पित संत)

नयनार (शिव को समर्पित संत)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- वे बौद्ध और जैनियों के लिए तीखे आलोचक थे, उन्होंने मोक्ष के मार्ग पर शिव या विष्णु के प्रेम का उपदेश दिया।

- वे आम युग के दौरान रचित तमिल साहित्य (तमिल साहित्य का सबसे पुराना उदाहरण) के प्रेम और वीरता के आदर्शों का पालन करते हैं और इसे भक्ति के साथ मिश्रित करते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

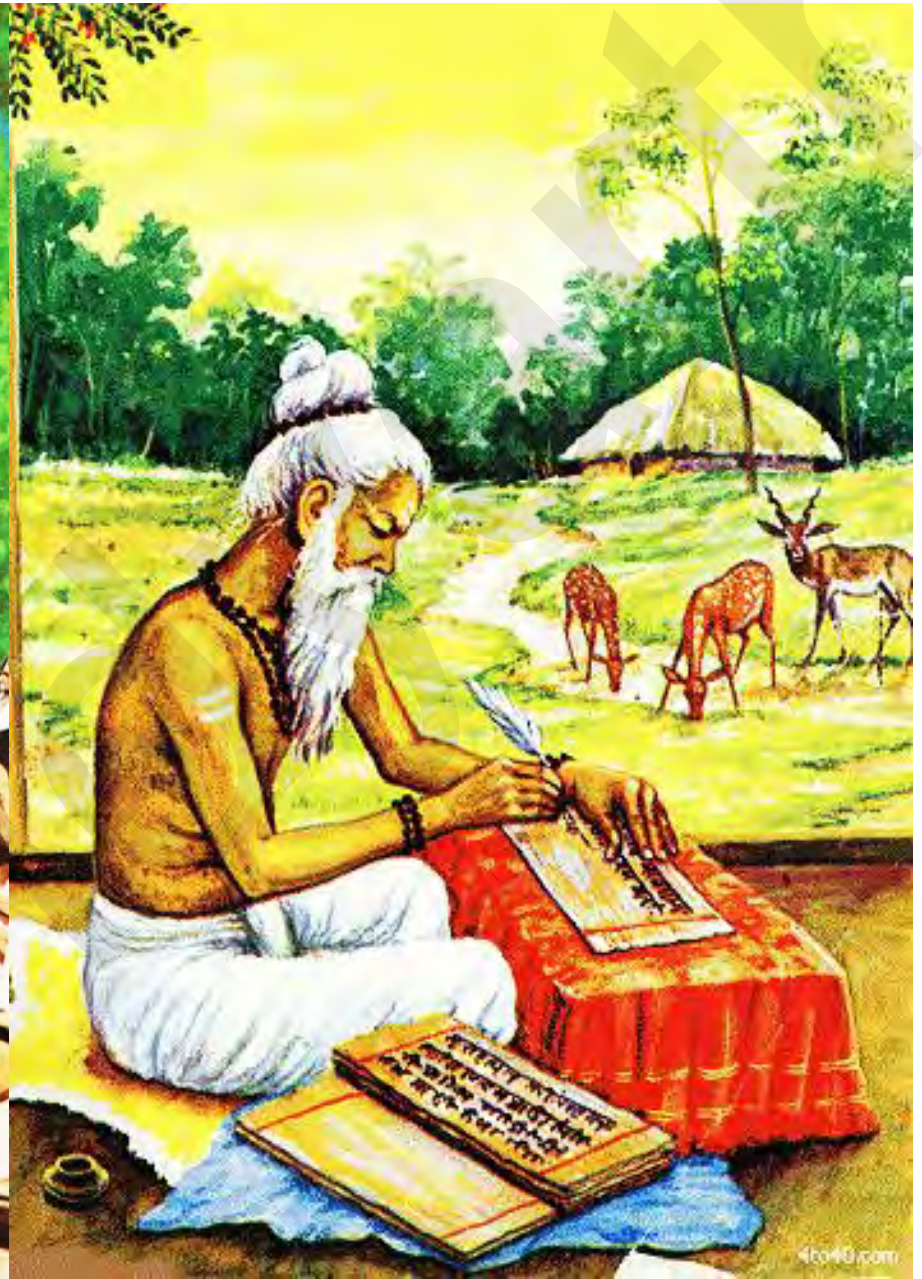

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- जगह-जगह कविता, संगीत, गीतों की रचना के साथ नयनार और अलवर जाते रहे।

- लगभग 10वीं और 12वीं शताब्दी में कई मंदिरों का निर्माण चोल और पांडियन शासकों ने करवाया था। जहां संत कवि पहुंचे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- वहाँ कविताएँ, गीत संकलित किए गए, (इकट्ठे हुए) आज वे भक्ति परंपराओं पर इतिहास लिखने के स्रोत के रूप में उपयोग किए जाते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

दर्शन और भक्ति

- शंकरा भारत के सबसे प्रभावशाली दार्शनिकों में से एक हैं, जिनका जन्म केरल में अद्वैत (व्यक्तिगत आत्मा की सर्वोच्च ईश्वर में एकता के सिद्धांत) के 8 वें प्रतिशत प्रतिनिधि में हुआ था।

- वे संसार को माया या माया मानते थे, त्याग, मोक्ष का उपदेश देते थे।

शंकर:

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मोक्ष

जीवन और मृत्यु से मुक्ति

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- रामानुज - तमिलनाडु में पैदा हुए और 11 वीं शताब्दी में अलवारों से बहुत प्रभावित थे। उनके अनुसार मोक्ष प्राप्त करने का सबसे अच्छा साधन विष्णु की गहन भक्ति है।

- उन्होंने विशिष्ट द्वैत के सिद्धांत या ईश्वर के साथ आत्मा की एकता के विचार को सामने रखा, यह उत्तर में कई लोगों को प्रेरित करता है।

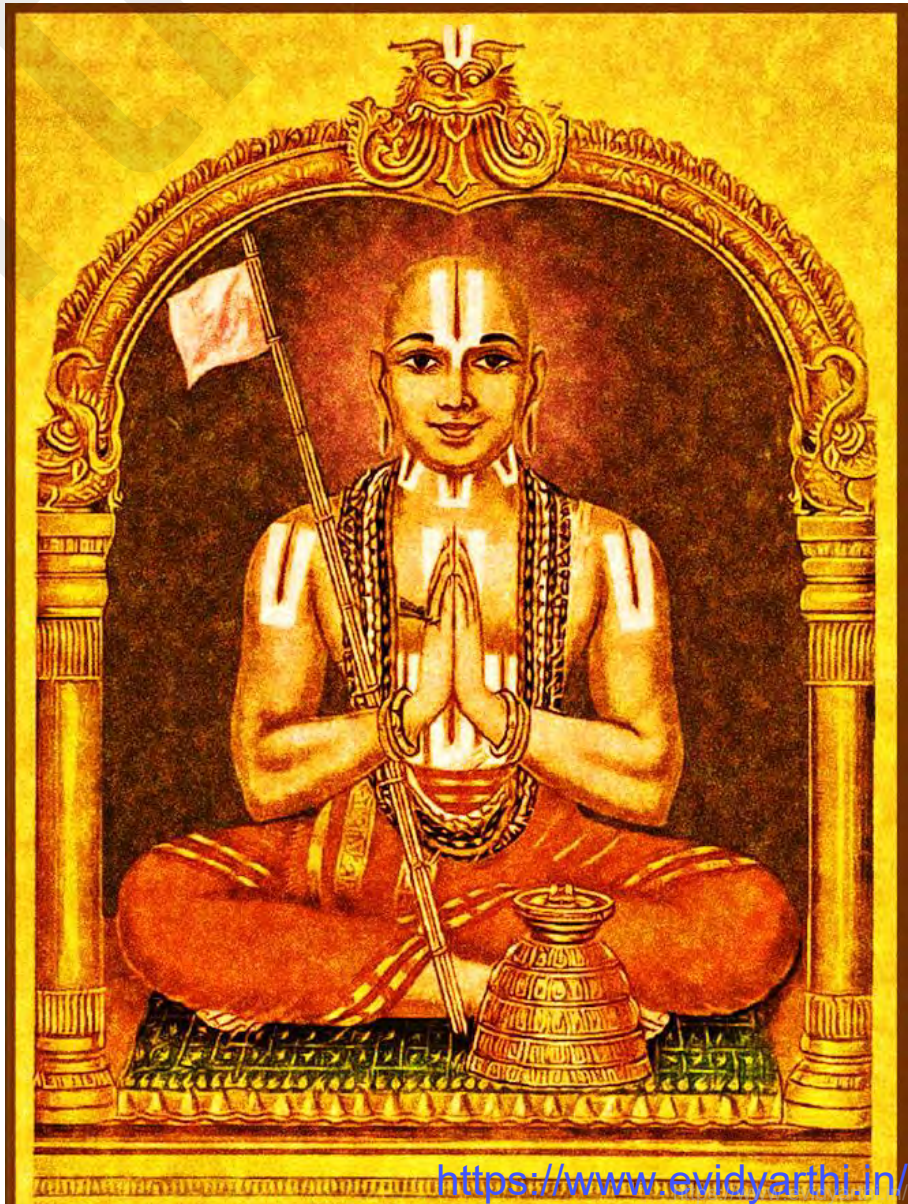

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

विशिष्टाद्वैत की शिक्षा

कैसे जीवात्मा मोक्ष को बढ़ाता है और परमात्मा तक पहुंचता है

विशिष्टाद्वैत का दर्शन

मोक्ष की प्राप्ति के द्वारा प्रभु की कृपा प्राप्त करें

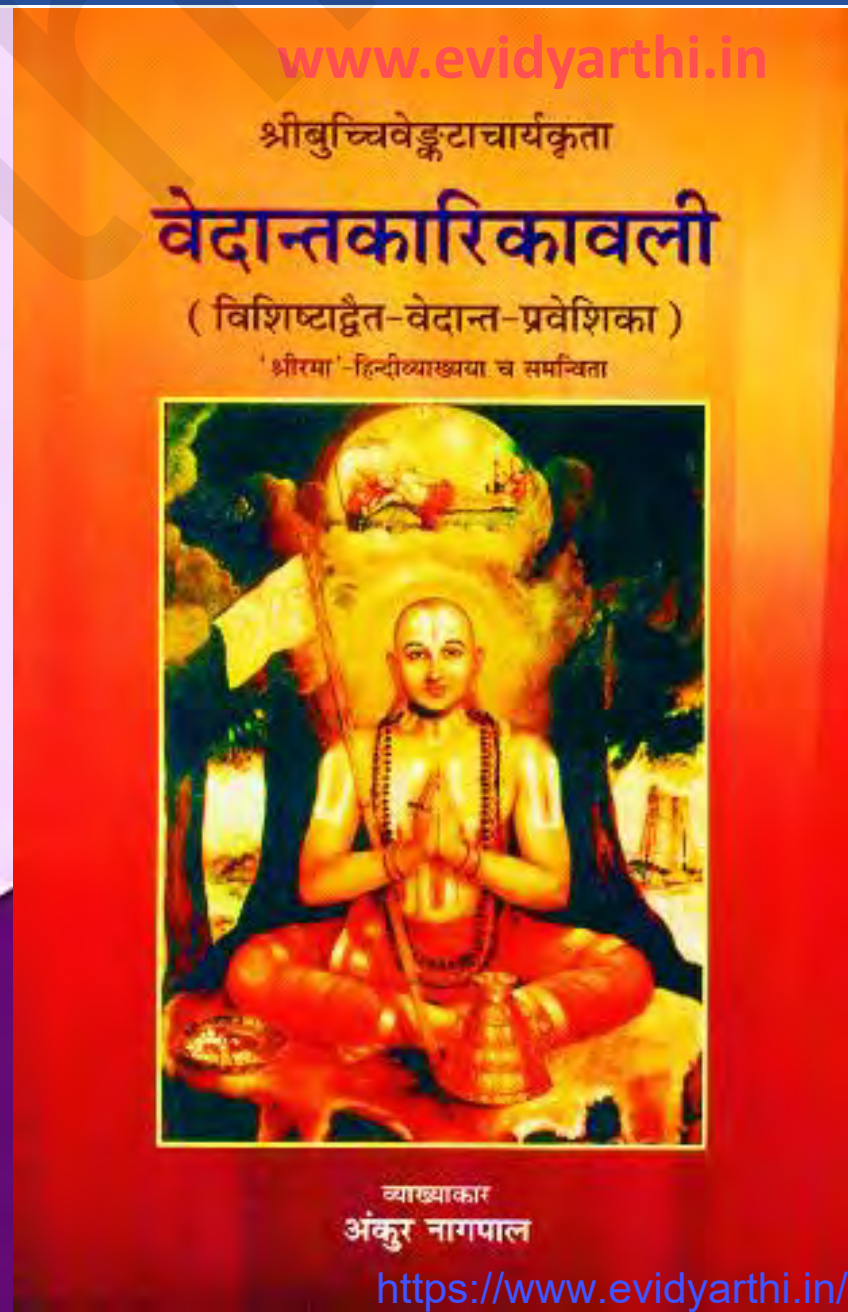

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

बसवन्ना का वीरशैववाद

- वीरा शैव आंदोलनों की शुरुआत बसवन्ना और उनके साथियों जैसे अल्लामा प्रभु और अक्काहादेवी ने की थी।

- यह आंदोलन 12वीं शताब्दी में शुरू हुआ, उन्होंने ब्राह्मणवादी विचारों, जाति, महिलाओं के साथ व्यवहार, कर्मकांडों के खिलाफ, मूर्ति पूजा के खिलाफ मनुष्यों के लिए समानता के लिए तर्क दिया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

बसवन्ना

अल्लामा प्रभु

अक्काहादेवी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

महाराष्ट्र के संत

- 13वीं और 14वीं से. महाराष्ट्र ने देखा महान नहीं। संत कवियों के गीत सरल तरीके से लोगों को प्रेरित करते हैं।
- उनमें से महत्वपूर्ण थे ज्ञानेश्वर, तुकाराम, नामदेव, एकनाथ।
- महिला - सखुबाई, चोखामेला का परिवार (जो अछूत महार जाति से संबंध रखते हैं)।

एकनाथ

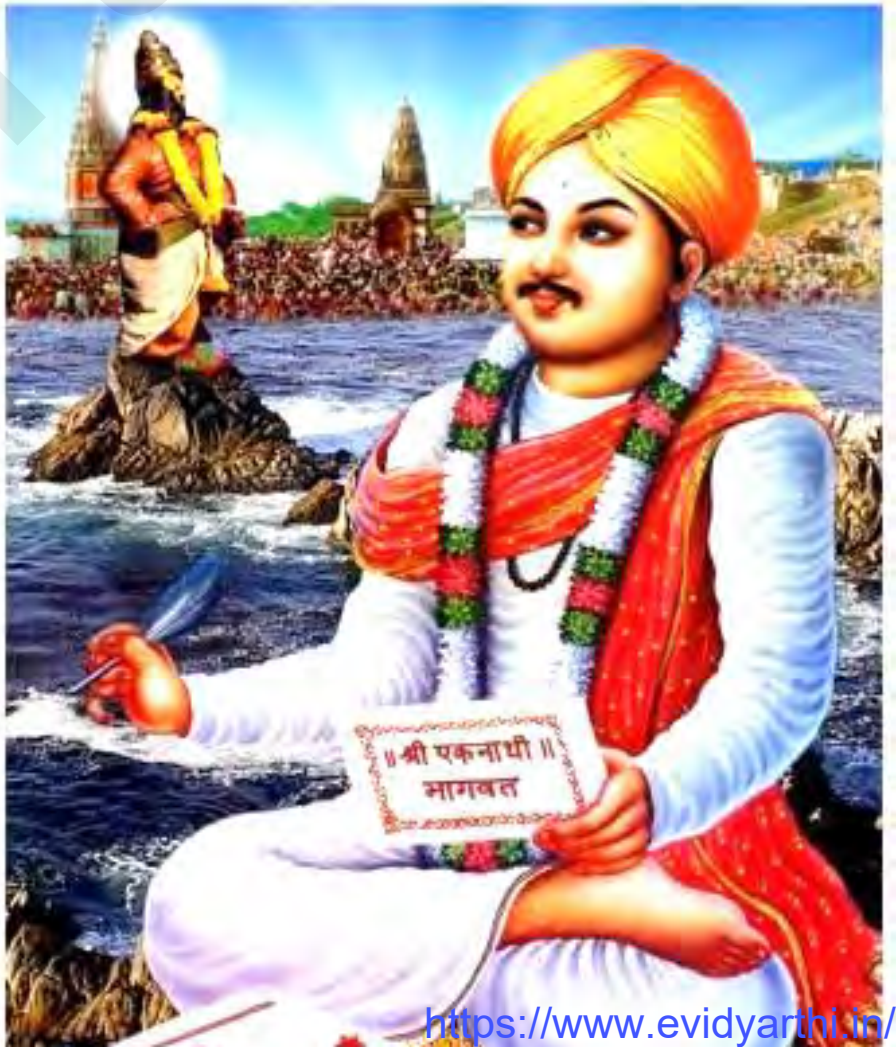

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

ज्ञानेश्वर

तुकारामी

नामदेव:

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

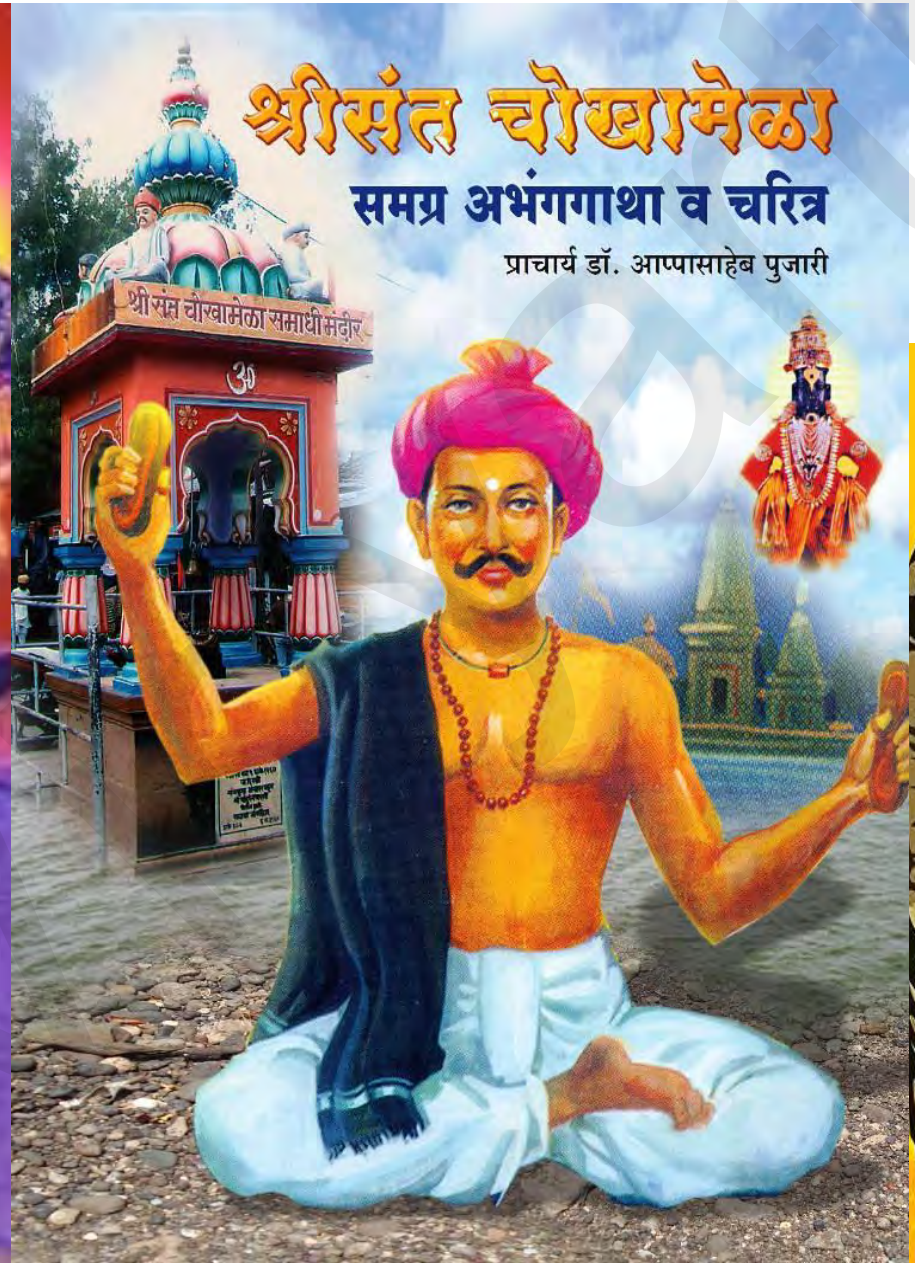

- सखुबाई और चोखामेला दोनों संत और एक ही परिवार से थे।

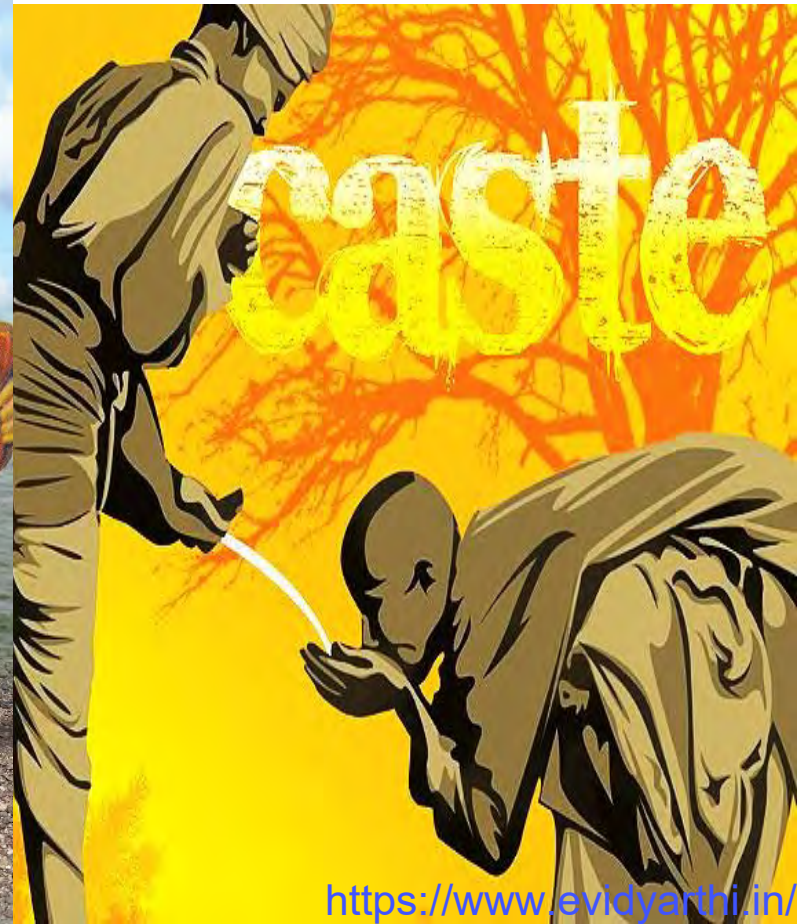

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- पंढरपुर में विट्ठल (विष्णु का रूप) मंदिर पर केंद्रित भक्ति की परंपरा। (व्यक्तिगत ईश्वरत्व)

- संत कवि सभी प्रकार के कर्मकांडी सामाजिक मतभेदों को खारिज करते हैं, यहां तक कि त्याग के विचारों को भी खारिज करते हैं, वे अपने परिवारों के साथ रहना पसंद करते हैं, सामान्य लोगों की तरह रहते हैं। नम्रता से मानव प्रकार की सेवा करना।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

विट्ठल मंदिर

चंद्रभागा नदी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- भक्ति के रूप में नए विचारों का उदय हुआ दूसरों के दर्द को साझा करने में।

- एक प्रसिद्ध गुजराती संत; नरसी मेहता ने कहा "वे वैष्णव हैं जो दूसरों के दर्द को समझते हैं।

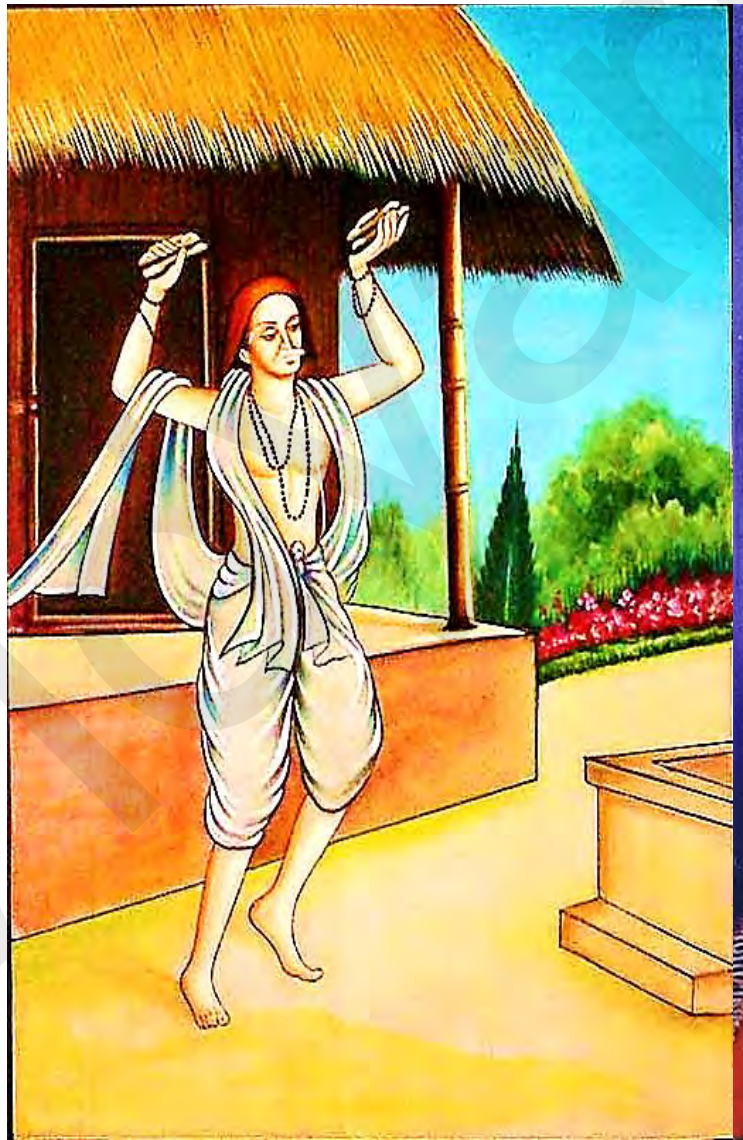

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

नाथपंथी, सिद्ध और योगी

- इस अवधि के दौरान उभरने वाले कई धार्मिक समूहों ने तार्किक तर्कों का उपयोग करते हुए अनुष्ठानों, सामाजिक व्यवस्था की आलोचना की।

- वे नाथपंथी, सिद्धाचार और योगी थे, वे ध्यान के साथ त्याग और मोक्ष के मार्ग पर हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मोक्ष

जीवन और मृत्यु से मुक्ति

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

परित्याग

ध्यान

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

ये समूह 'निम्न जाति' थे, वे एक परंपरा के बजाय भक्ति धर्म चाहते थे, यह उत्तरी भारत में लोकप्रिय हो गया।

धार्मिक

प्रार्थना में खुलें भगवान से मुझसे बात करने के लिए कहें और किसी भी चिंता, चिंताओं और घटनाओं को बाहर निकालें।

पारंपरिक

परंपरा के आधार पर, चाहे वह धार्मिक हो और ऐतिहासिक

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

इस्लाम और सूफी मत

- संत और सूफी आम थे क्योंकि ऐसा माना जाता है कि उन्होंने एक-दूसरे के विचारों को अपनाया।
- सूफी - वे मुस्लिम फकीर थे। उन्होंने धार्मिकता को खारिज कर दिया और भगवान और सभी मनुष्यों के प्रति समर्पण पर प्रकाश डाला।
- इस्लाम एकेश्वरवाद (एक ईश्वर) का प्रचार करता है। 8 वीं और 9वीं (शेरियत) और इस्लाम के धर्मशास्त्र पर।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

सूफी

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

एकेश्वरवाद का प्रचार करें

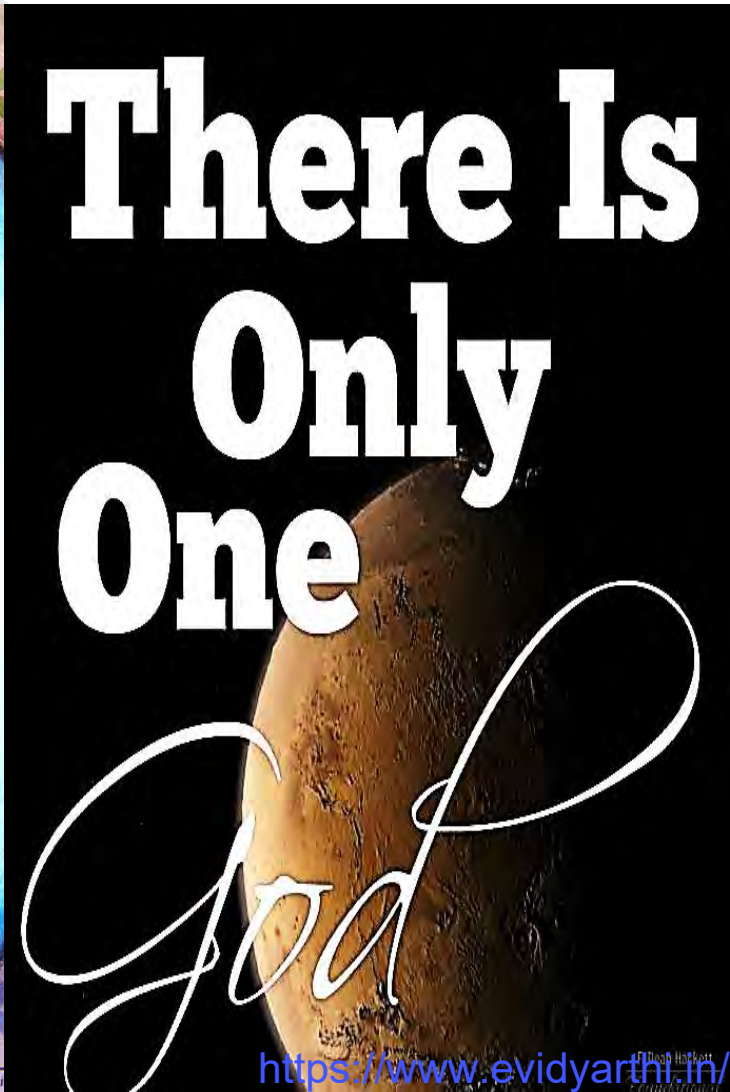

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

कुरान से शेरियत (कानून)

धर्म का अध्ययन

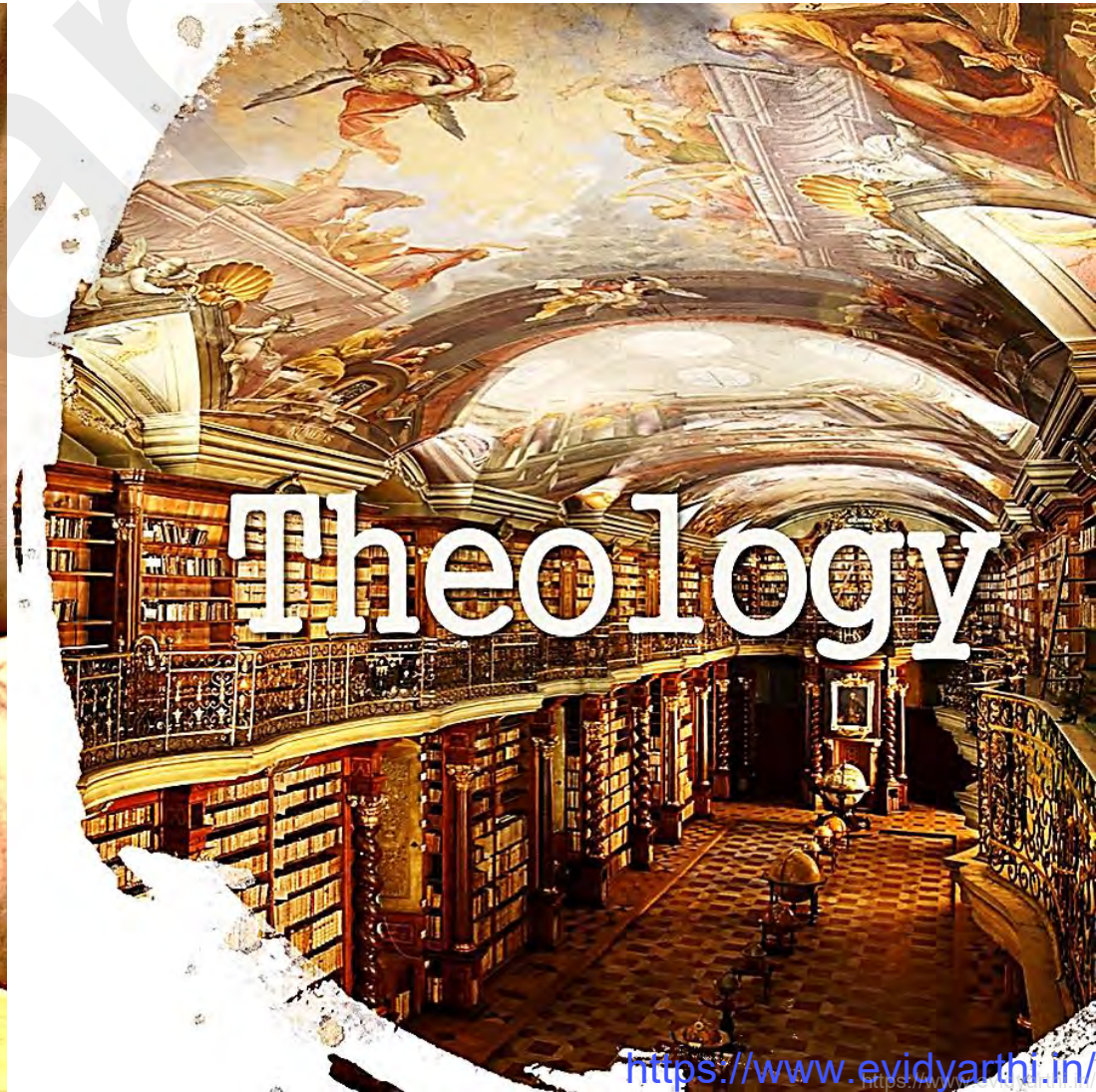

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- सूफियों ने अक्सर मुस्लिम धार्मिक विद्वानों की मांग को खारिज कर दिया। वे मनुष्य के साथ ईश्वर का मिलन चाहते हैं जैसे बिना किसी शर्त के प्रिय के साथ।
- संत कवियों की तरह सूफी भी अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कविताओं की रचना करते हैं।
- मध्य एशिया के सूफी थे - गज़ाली, रूमी और सादी, योगियों की तरह सूफ़ी भी सोचते हैं कि दिल को दुनिया को एक अलग तरीके से देखने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है।

ग़ज़ालि

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

सादी शिराज़ी

रूमी

प्यासा ही पानी नहीं ढूंढ़ता,
पानी भी प्यासे को ढूंढता है|

-रूमी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- उन्होंने ज़िक्र (पवित्र तरीके से एक नाम का जप), समा (गायन) रक़ (नृत्य), पीर (मास्टर) के दृष्टान्त मार्गदर्शन का उपयोग करके प्रशिक्षण के तरीकों का पालन किया।
- प्रत्येक सूफी शिक्षक अनुष्ठान अभ्यास के थोड़े अलग तरीकों (तारिक) का पालन करता है। एक बड़ा नं। सूफियों के 11वीं शताब्दी से हिंदुस्तान में बस गए। साथ ही दिल्ली सल्तनत की स्थापना को मजबूत करना।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

ज़िक्र, समा, रक़सी

पिरो से मार्गदर्शन

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- सूफी केंद्रों का विकास हुआ, अजमेर के ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती, दिल्ली के कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, पंजाब के बाबा फरीद, दिल्ली के ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया, गलबर्ग के बंदनवाज गिसूदराज जैसे चिश्ती का निर्माण हुआ।
- सूफी आचार्यों ने अपनी सभाओं को खानकाहों या धर्मशालाओं में आयोजित किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

बाबा फरीदी

बंदनवाज़ गिसुदाराज़ी

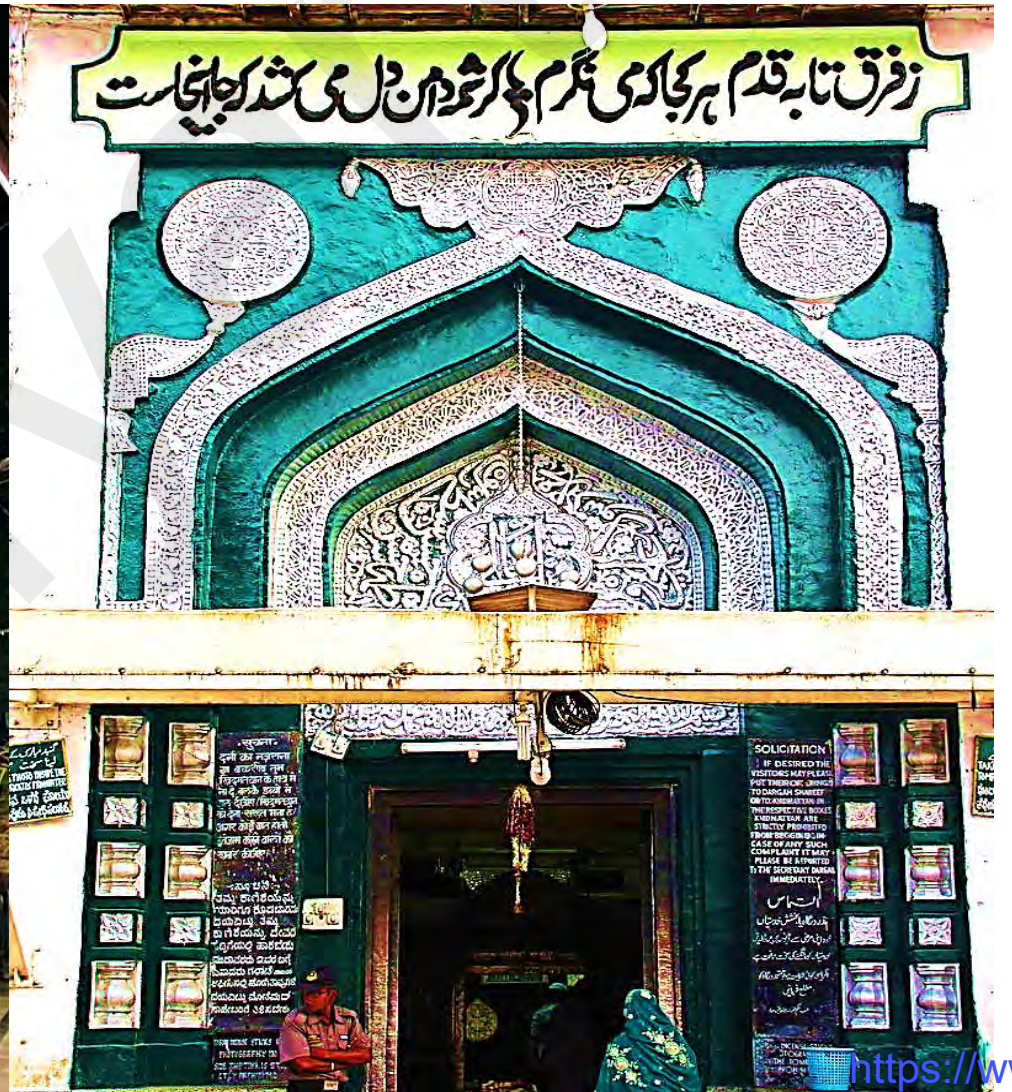

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

खानकाहसी या धर्मशाला

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- उन्होंने आध्यात्मिक मामलों पर चर्चा की, संतों से उनकी समस्याओं को हल करने के लिए आशीर्वाद मांगा या नृत्य और संगीत सत्र देखने के लिए इसमें शामिल हुए।
- लोग सूफी गुरु को चमत्कारी शक्तियों के साथ मानते हैं जो उनकी बीमारी और परेशानी को दूर कर सकते हैं।
- एक सूफी संत का मकबरा या दरगाह हजारों लोगों के लिए तीर्थ बन गया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

मकबरा या दरगाह

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

महत्वपूर्ण बिंदु

दरगाह

दरगाह एक सूफी संत की कब्र है।

खानकाह

खानकाह एक सूफी लॉज है जिसका उपयोग यात्रियों के विश्राम गृह के रूप में किया जा सकता है और एक ऐसी जगह के रूप में जहां लोग आध्यात्मिक मामलों पर चर्चा करने, संतों का आशीर्वाद प्राप्त करने और सूफी संगीत सुनने के लिए आते हैं।

ईदगाह

ईदगाह मुसलमानों के लिए एक खुली प्रार्थना स्थल थी जिसे मुख्य रूप से ईद की नमाज के लिए बनाया गया था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

दरगाह

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

खानकाह

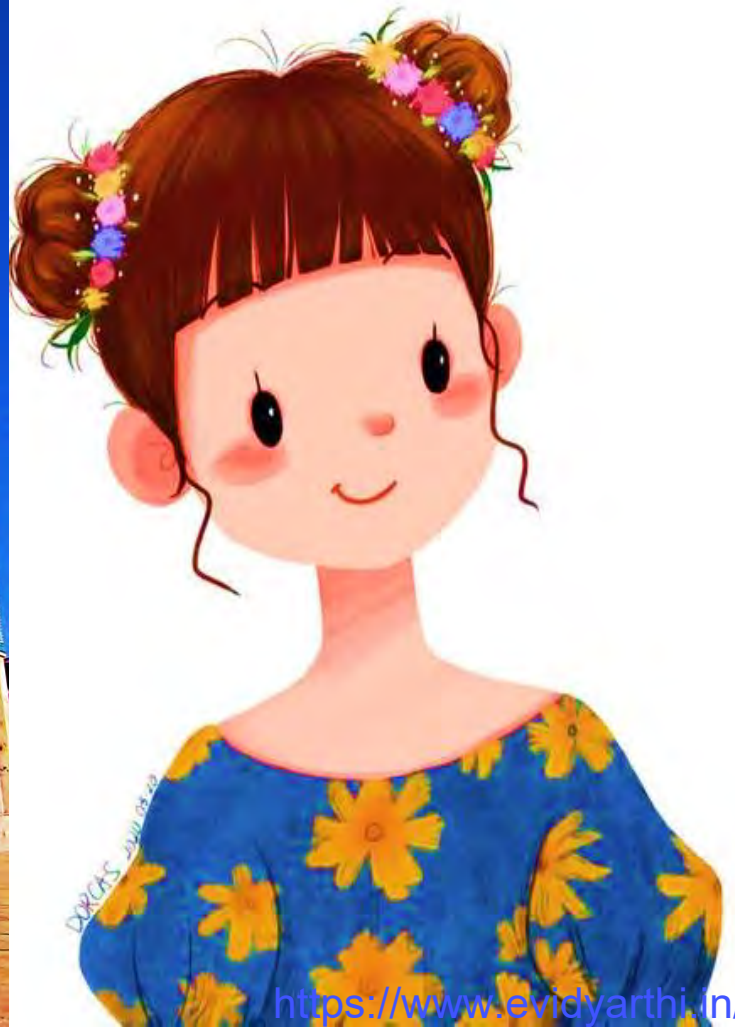

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

ईदगाह

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

उत्तर भारत धार्मिक बदलाव

- 13वीं शताब्दी के बाद की अवधि में उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन की एक नई लहर देखी गई।

- यह एक ऐसा युग था जब इस्लाम, हिंदू धर्म, सूफीवाद, नाथपंथी, योगी और सिद्ध एक दूसरे को प्रभावित करते थे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- नए शहर और राज्य उभर रहे थे, लोग अपने लिए नए पेशे और नई भूमिकाएँ ले रहे थे।

- शिल्पकार, किसान, व्यापारी, मजदूर इन संतों की बातें सुन रहे थे और अपने विचारों का प्रसार कर रहे थे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

शिल्पकारों और किसानों ने फैलाया संत का विचार

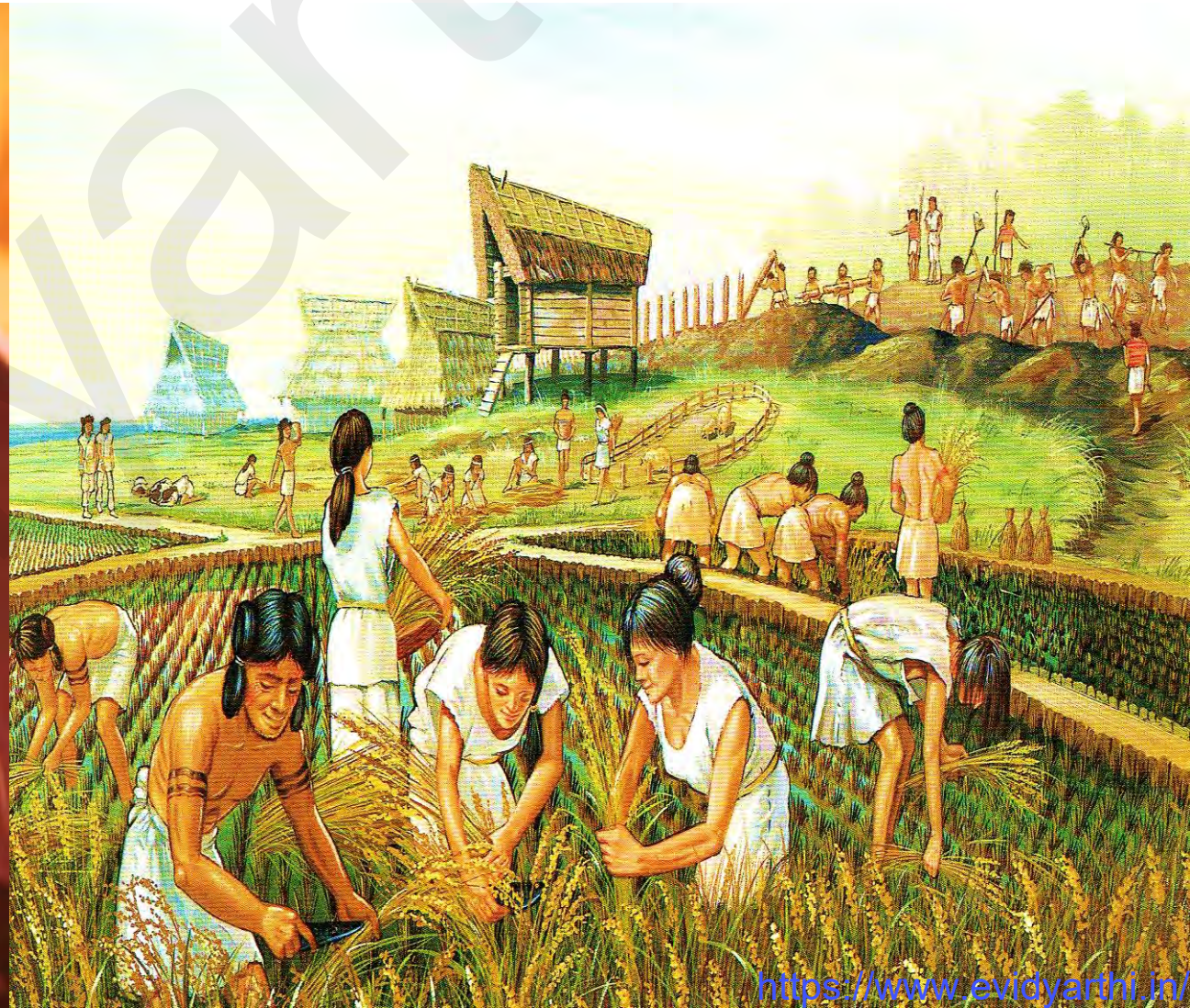

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

ग्रामीण विचारों को अधिक बार फैलाने में मदद करते हैं

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

उनमें से कुछ जैसे कबीर और बाबा गुरु नानक ने रूढ़िवादी धर्मों को खारिज कर दिया।

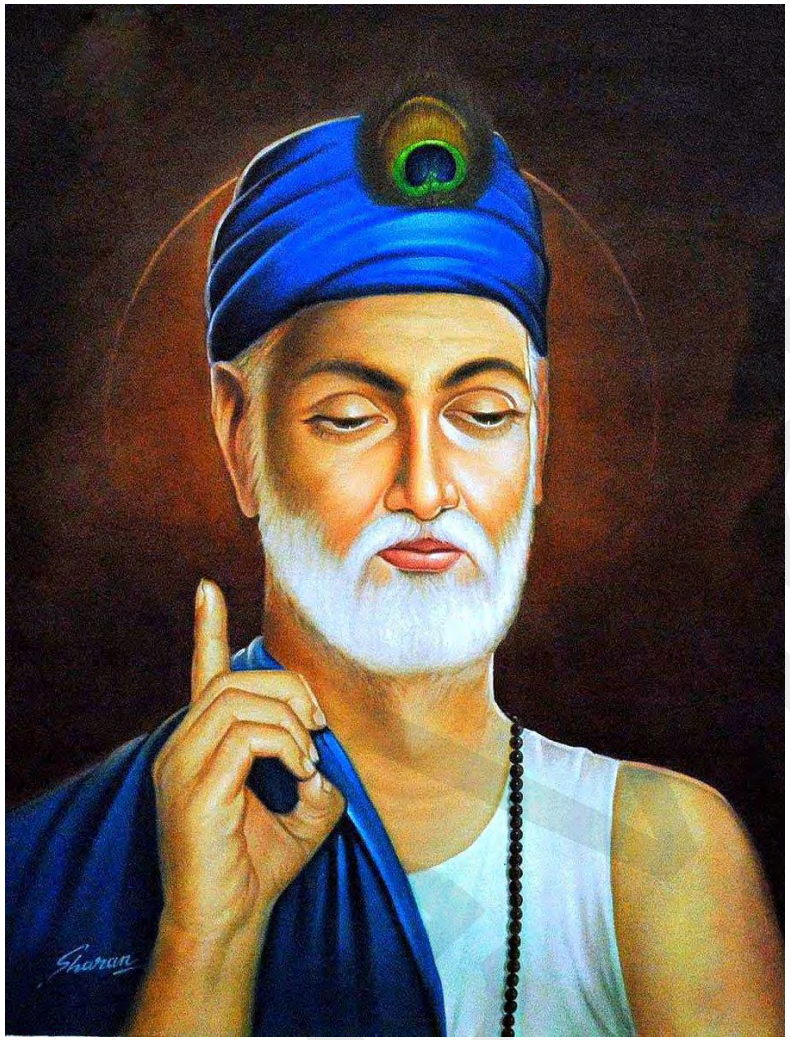

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

सूरदास, तुलसीदास जैसे अन्य लोगों ने मान्यताओं और प्रथाओं को स्वीकार किया (मौजूदा)

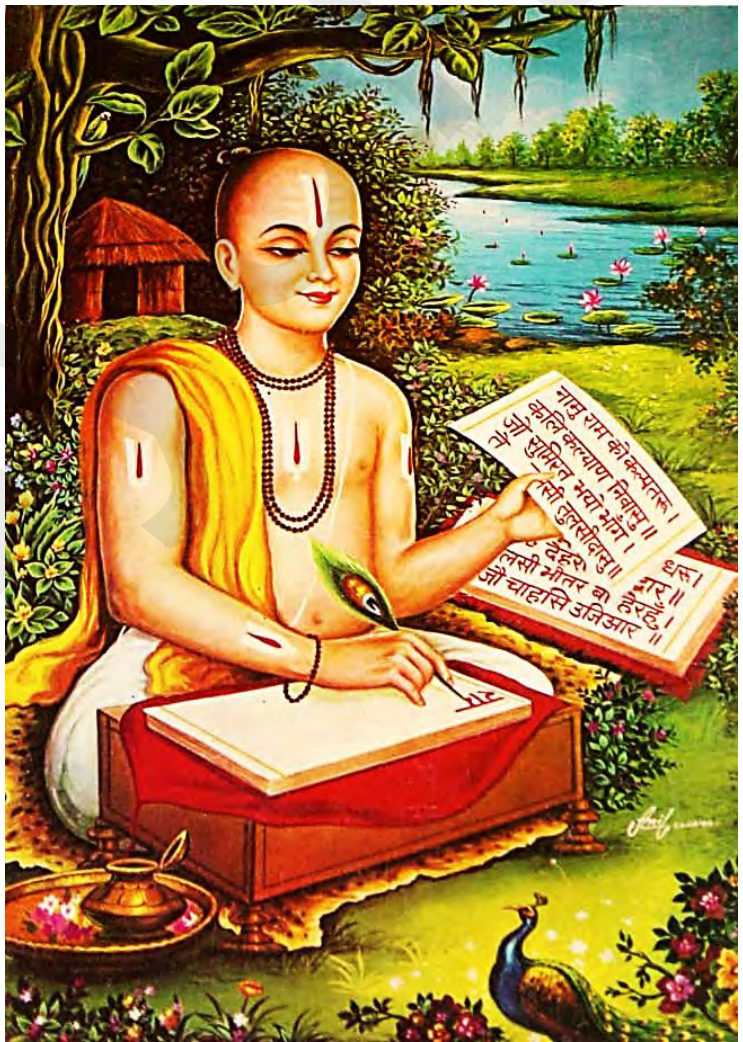

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- तुलसीदास ने राम के रूप में भगवान का सपना देखा, अवधी (पूर्वी यूपी में प्रयुक्त) में लिखी गई रचना रामचरितमानस उनकी भक्ति की अभिव्यक्ति के रूप में और एक शाब्दिक कार्य के रूप में महत्वपूर्ण थी।
- सूरदास कृष्ण के भक्त थे, सूरसागर, सुरसरावली और साहित्य लहरी में संकलित उनकी रचनाएँ, उनकी भक्ति को व्यक्त करती हैं।

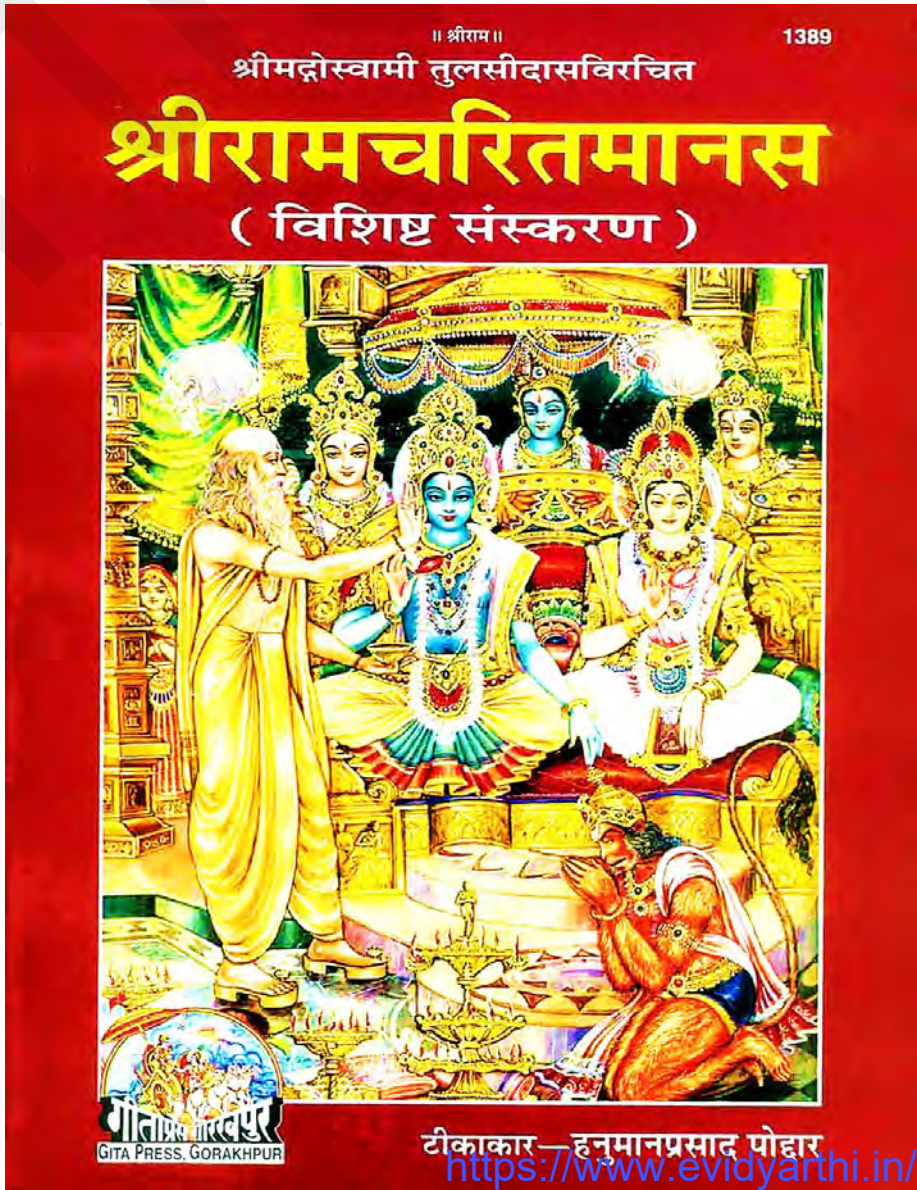

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

तुलसीदास ने राम के रूप में भगवान का सपना देखा

www.evidyarthi.in

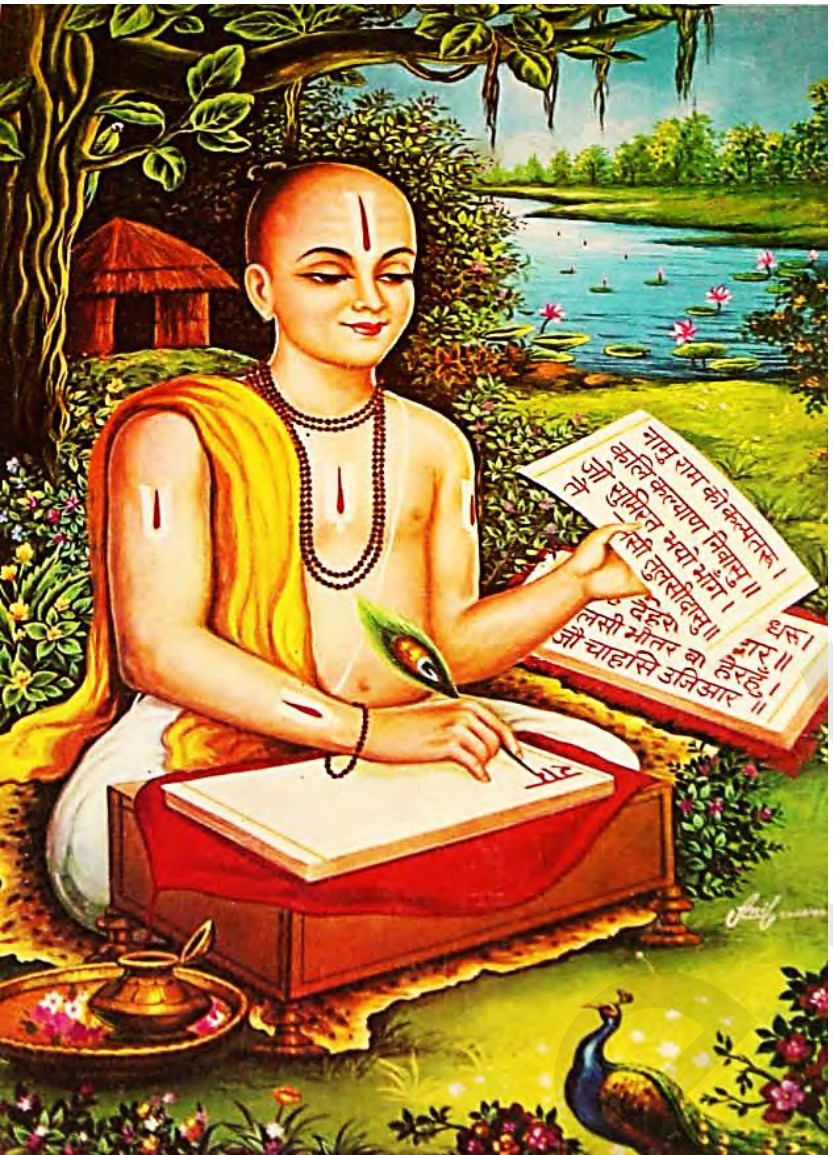

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

सुरसागर

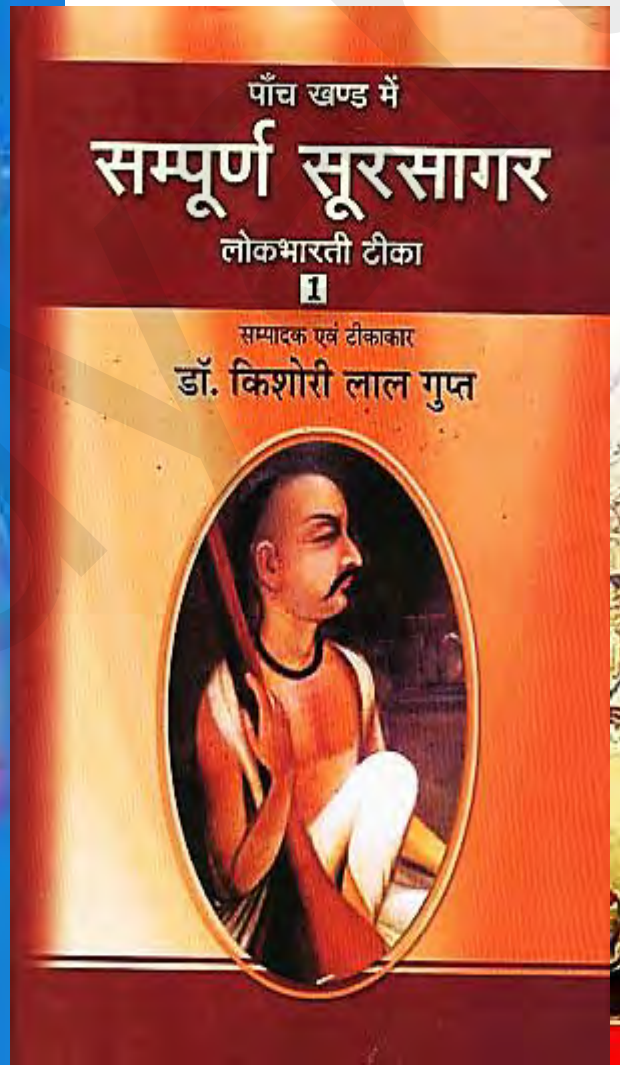

साहित्य लहरी

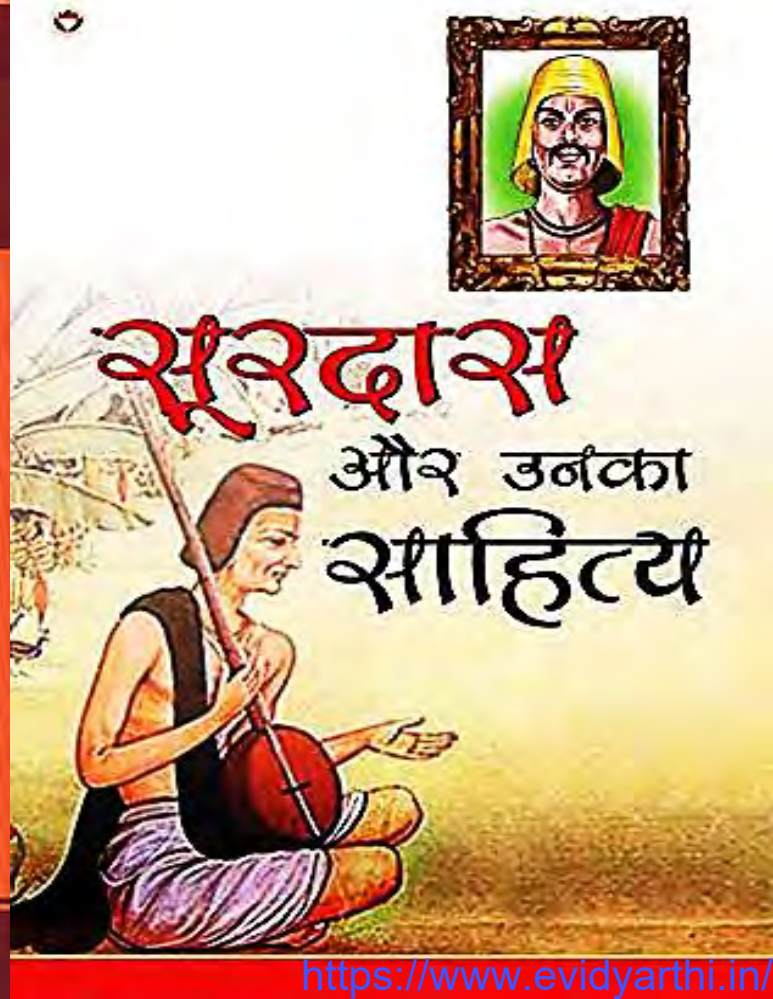

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- असम के शंकरदेव (15 वीं शताब्दी के अंत में।) विष्णु के प्रति भक्ति, कविताओं की रचना की, असमिया में नाटकों की रचना की, उन्होंने पाठ और प्रार्थना (नामघर) और उनके जैसे कई घरों की स्थापना की - दादू दयाल, रविदास।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

दादू दयाल

रविदास

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

पाठ और प्रार्थना के घर (नामघर)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- मीराबाई - वह एक राजपूत राजकुमारी थी जिसका विवाह 16 वीं शताब्दी में मेवाड़ के एक शाही परिवार में हुआ था, बाद में रविदास (अछूतों के संत) की शिष्या बन गई।
- उन्होंने कृष्ण को समर्पित कई भजनों की रचना की, उनके गीतों ने खुले तौर पर उच्च जाति के मानदंडों को चुनौती दी और राजस्थान और गुजरात में लोकप्रिय हो गए।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- संतों की कृतियाँ क्षेत्रीय भाषाओं में रची गईं और उन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक रूप से गाया और सुनाया जा सकता था।
- कई गरीब व्युत्पन्न समुदाय और महिलाएं इन गीतों को गाती हैं और अपने अनुभव जोड़ती हैं।
- इस प्रकार कई गीत संतों की रचनाएं हैं, जो हमारी संस्कृति का जीवंत हिस्सा हैं।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

कबीर - नज़दीक से एक नज़र

- कबीर 16 वीं शताब्दी में रहते थे। (सबसे प्रभावशाली संत) बनारस (वाराणसी) शहर के पास बसे जुलाहा या बुनकरों के परिवार में पले-बढ़े।
- हमें उनके विचार उनके द्वारा रचित और अद्भुत भजन गायकों द्वारा गाए गए छंदों के विस्तृत संग्रह से मिले, जिन्हें सखियां और पैड कहा जाता है।

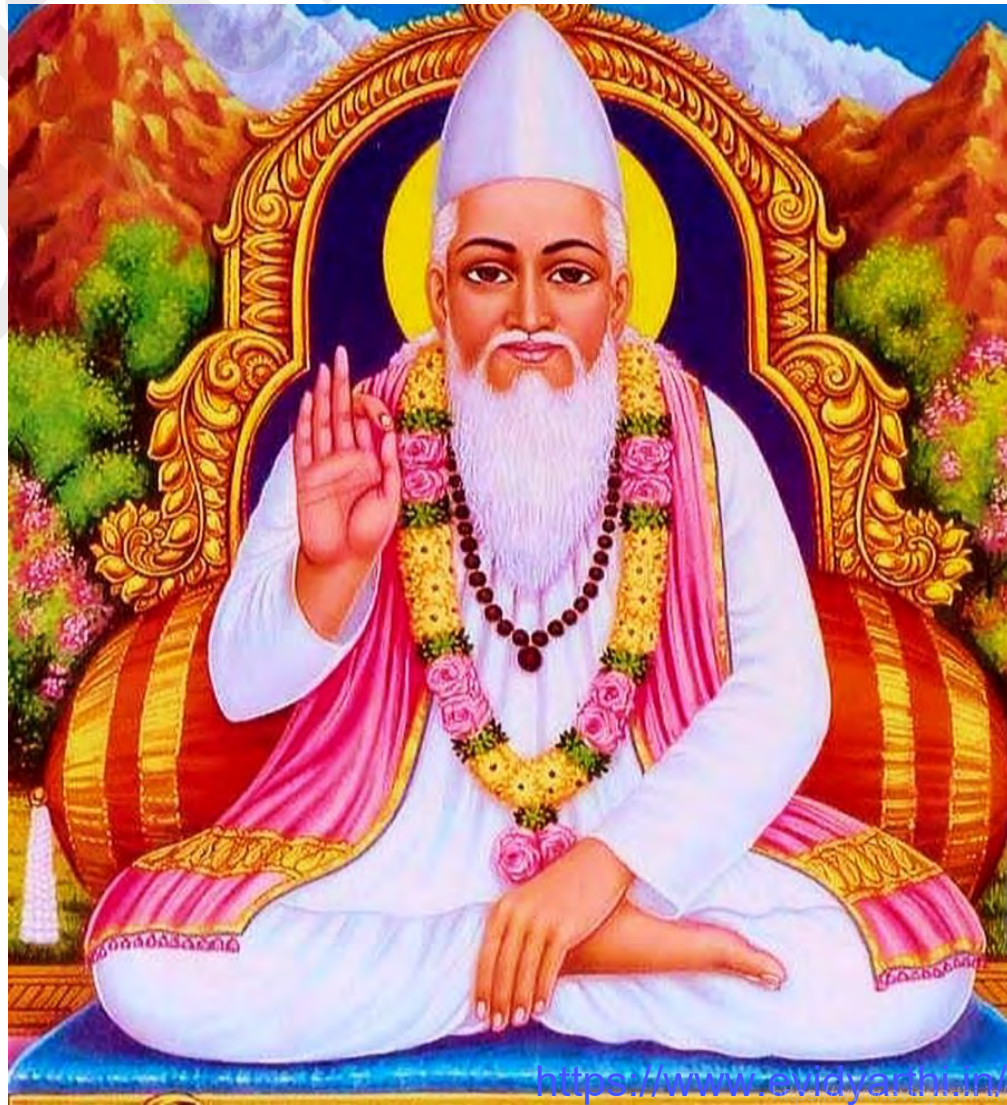

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

कबीर की सखी

ऐसी बाँणी बोलिए
मन का आपा खोई।
अपना तन सीतल करै औरन कैं सुख होई।।

कबीर के पद

हम तौ एक एक करि जांनां ।
दोइ कहैं तिनहीं कौं दोजग जिन नाहिंन पहिचांनां ।।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- इसे बाद में गुरु ग्रंथ साहिब, पंच वाणी और बीजाकी में संरक्षित किया गया था|

- कबीर की शिक्षाओं ने हमेशा धर्म परंपराओं को खारिज कर दिया। यानी - ब्राह्मणवादी हिंदू धर्म और इस्लाम, जाति व्यवस्था आदि। उन्होंने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, वह आम लोगों द्वारा व्यापक रूप से समझी जाने वाली हिंदी थी।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- कभी-कभी गुप्त भाषा का इस्तेमाल करते थे, कबीर निराकार सर्वोच्च ईश्वर में विश्वास करते थे, भक्ति के माध्यम से मोक्ष का उपदेश देते थे। उनके अनुयायी हिंदू और मुसलमान दोनों थे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

गुरु ग्रंथ साहिब

बिज़ाक

www.evidyarthi.in

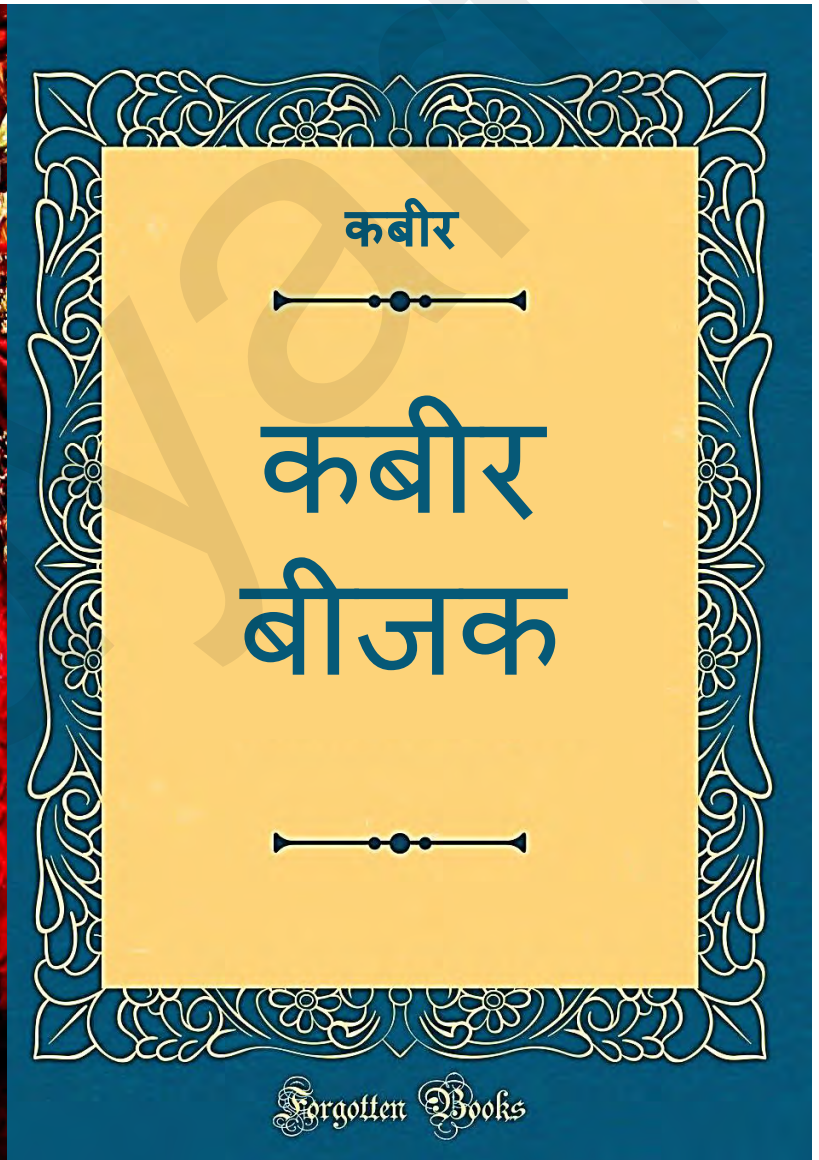

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

बाबा गुरु नानक - नज़दीक से एक नज़र

- पाकिस्तान के तलवंडी में पैदा हुए बाबा गुरु नानक (1469-1539) अपने भजन गाते हैं (धार्मिक गीत या कविताएं)
- उनके अनुयायियों ने पंथ, जाति या लिंग के बावजूद (लंगर) में एक साथ भोजन किया।
- गुरु नानक द्वारा बनाए गए पवित्र स्थान को धर्मशाला (गुरुद्वारा) के रूप में जाना जाता था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

लंगर

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- 1539 में अपनी मृत्यु से पहले गुरु नानक ने अपने अनुयायियों को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया (लहना - गुरु अंगद खुद को गुरु नानक के हिस्से के रूप में दर्शाते हैं।
- गुरु अंगद ने अपनी नई लिपि गुरुमुखी में बाबा नानक की कई बातों का संकलन किया। उनके 3 उत्तराधिकारी ऐसा ही करते हैं। इन सभी रचनाओं का संकलन गुरु अर्जन ने 1604 में किया था

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

गुरुमुखी

ਅ a	ਆ ā	ਇ i	ਈ ī	ਉ u	ਊ ū
ਏ e	ਐ ai	ਓ o	ਔ au		
ਕ ka	ਖ kha	ਗ ga	ਘ gha	ਙ ṅa	
ਚ ca	ਛ cha	ਜ ja	ਝ jha	ਞ ña	
ਟ ṭa	ਠ ṭha	ਡ ḍa	ਢ ḍha	ਣ ṇa	
ਤ ta	ਥ tha	ਦ da	ਧ dha	ਨ na	
ਪ pa	ਫ pha	ਬ ba	ਭ bha	ਮ ma	
ਯ ya	ਰ ra	ਲ la	ਵ va	ੜ ṛa	ਹ ha
ਸ਼ ša	ਜ਼ za	ਫ਼ fa	ਖ਼ x̌a	ਗ਼ ɣa	ਲ਼ ḷa

10 सिख गुरु

- गुरु नानक (1469-1539)
- गुरु अंगद (1504-1552)
- गुरु अमर दास (1479-1574)
- गुरु राम दास (1534-1581)
- गुरु अर्जन (1563-1606)
- गुरु हर गोबिंद (1595-1644)
- गुरु हर राय (1630-1661)
- गुरु हर कृष्ण (1656-1664)
- गुरु तेग बहादुर (1621-1675)
- गुरु गोबिंद सिंह (1666-1708)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- उनके संकलनों को शेख फरीद, संत कबीर, भगत नामदेव, गुरु तेग बहादुर के लेखन में जोड़ा गया।

- इन्हें फिर से गुरु तेग बहादुर ने गुरु गोबिंद सिंह के पुत्र गुरु ग्रंथ साहिब (सिखों के पवित्र ग्रंथ) के रूप में जाना।

शेख फरीद

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

संत कबीर

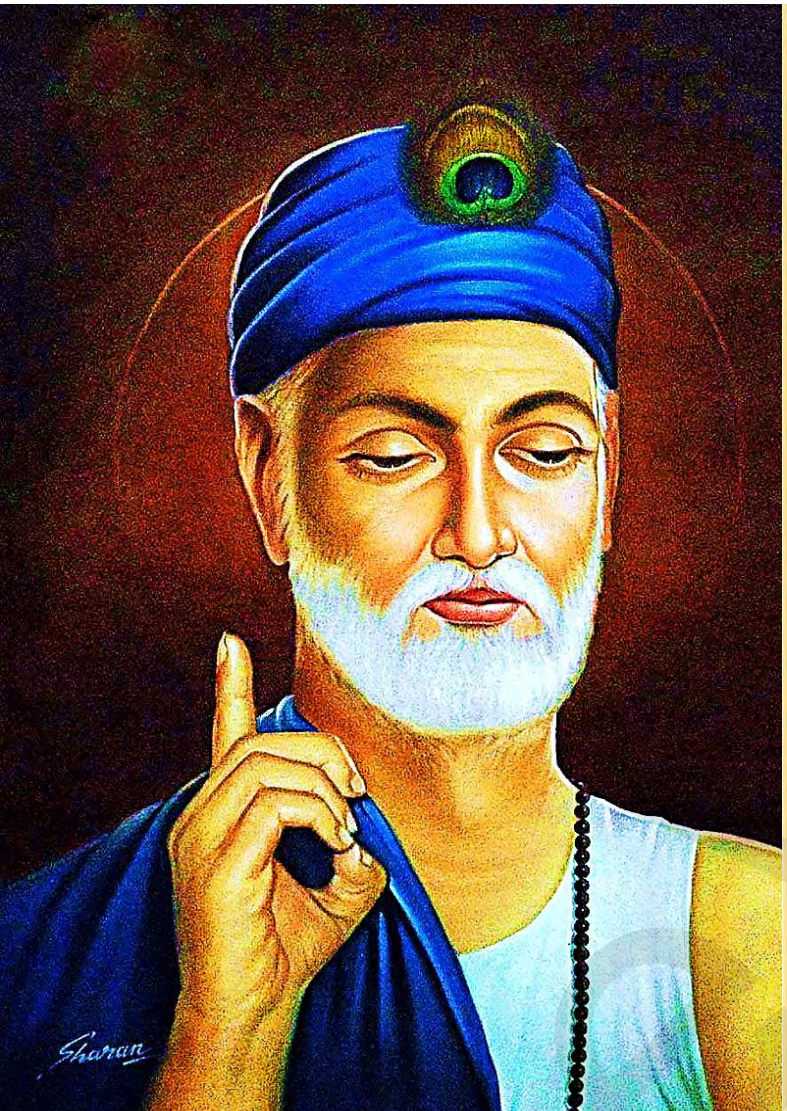

भगत नामदेवी

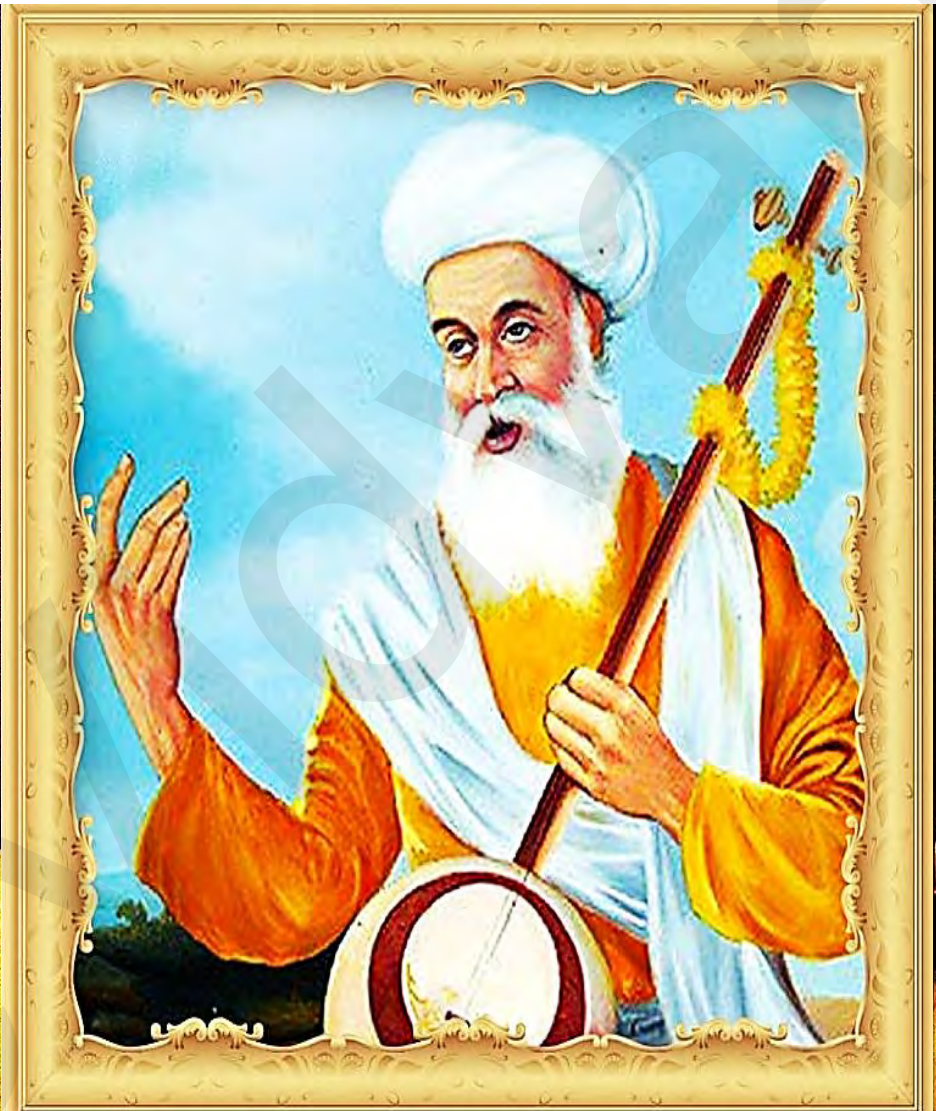

गुरु तेग बहादुर

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

गुरु ग्रंथ साहिब

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- गुरु नानक के अनुयायी 16वें प्रतिशत में बढ़े। बहुसंख्यक व्यापारियों, कृषकों, कारीगरों, शिल्पकारों के अंतर्गत आता है। उनसे समुदाय के लिए धन में योगदान करने की भी अपेक्षा की गई थी।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

व्यापारी और शिल्पकार

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

किसान / कृषक

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- शुरुआत में। रामदासपुर (अमृतसर) के 17वीं शताब्दी में एक केंद्रीय गुरुद्वारा विकसित किया गया है जिसे हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) कहा जाता है।
- मुगल साम्राज्य ने 1606 में गुरु अर्जन को एक खतरे और आदेश के रूप में देखा, इस कार्रवाई से सिख आंदोलनों ने 1699 में गुरु गोबिंद सिंह द्वारा खालसा संस्था बनाना शुरू किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- सिखों का समुदाय जिसे खालसा पंथ कहा जाता है, राजनीतिक इकाई बन गया।
- कई क्षण शुरू हुए जब बाबा गुरु नानक ने हमेशा एक ईश्वर के विचार को विकसित किया, किसी भी जाति, पंथ में भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।
- उन्होंने स्वयं अपनी शिक्षाओं के लिए नाम, दान और इस्नान शब्दों का इस्तेमाल किया, जिसका वास्तव में मतलब सही पूजा, दूसरों का कल्याण और आचरण की शुद्धता था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 6 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- उनकी शिक्षाओं को अब नाम जपना, कीर्त करना और वंद चखना के रूप में याद किया जाता है जो सही विश्वासों के महत्व को रेखांकित करते हैं और ईमानदार जीवन की पूजा करते हैं और दूसरों की मदद करते हैं।

- बाबा गुरु नानक के विचार दादू, रविदास और कबीर से काफी मिलते-जुलते थे।

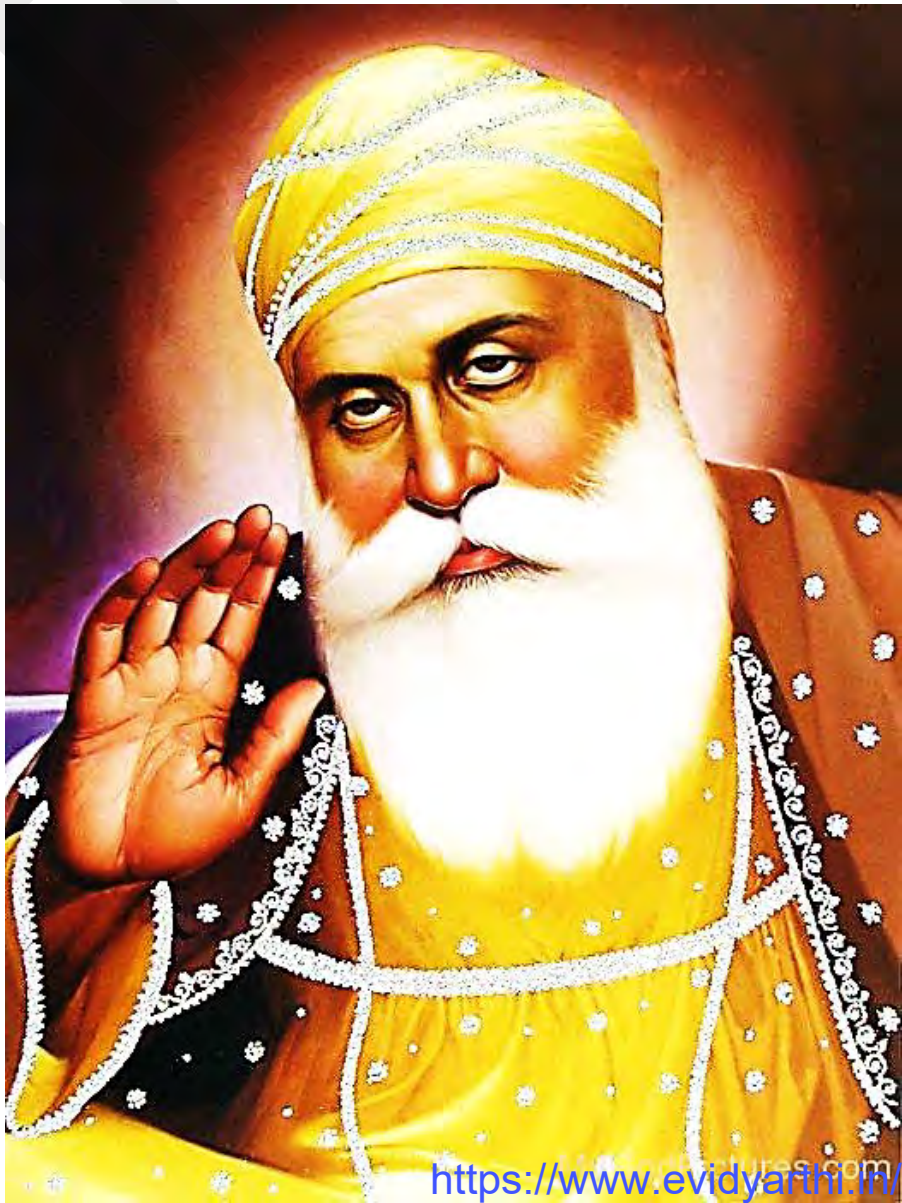

https://www.evidyarthi.in/